3 FEB 2010 दै. नव दुनियाँ, भोपाल

अक्षर पहचानने में मध्यप्रदेश आगे

- शिक्षा की गुणवत्ता में अमीर राज्यों को पीछे छोड़ा

धीरज कनोजिया

नई दिल्ली। आर्थिक विकास दर के मामले में भले ही मध्यप्रदेश की हालत काफी लचर हो लेकिन शिक्षा में गुणवत्ता पर उसने पंजाब, आंध्रप्रदेश और तमिलनाडु जैसे अमीर राज्यों को पीछे छोड़ दिया है।

केंद्रीय सांख्यिकी संगठन ने अपने हाल के सर्वेक्षण में मध्यप्रदेश की आर्थिक विकास दर सिर्फ 4.9 फीसद बताई लेकिन शिक्षा को

लेकर मशहूर गैर सरकारी संगठन प्रथम द्वारा ग्रामीण भारत को आधार बनाकर कराए गए सर्वेक्षण के मुताबिक देश भर में मप्र के सबसे ज्यादा 59.2 फीसद बच्चे अक्षरों को पहचानने में सक्षम हैं, जबकि केरल 28.7 फीसद, तमिलनाडु 29.8 व पंजाब 56.8 फीसद बच्चे ही अक्षरों को पहचानने में सक्षम हैं।

पहली कक्षा में कुछ भी पढ़ना नहीं जानने वाले बच्चों का प्रतिशत केरल में सबसे कम 3.9 प्रतिशत है। उसके बाद मध्यप्रदेश (7.9 प्रश) का ही स्थान है। उत्तरप्रदेश में यह आँकड़ा 43.5 फीसद और तमिलनाडु में 55.4 फीसद है।

शब्द पहचानने में दूसरा

बच्चों द्वारा शब्दों को पहचानने में केरल (42.7) के बाद मध्यप्रदेश (25.3) का स्थान है। छः से 14 साल की उम्र की श्रेणी में भी मप्र के बच्चों (4.9) का स्थान देशभर में चौथा है। प्रदेश के सरकारी स्कूलों ने निजी स्कूलों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया है, जबकि दूसरे राज्यों में स्थिति लगभग उलटी है।

लड़कियों के मामले में सब फिसड्डी

16 साल की लड़कियों के स्कूल छोड़ने के मामले में केरल (0.5 फीसद) और गोवा (1.5 फीसद) की स्थिति ही ठीक है। अन्य राज्य पिछड़े हैं। राजस्थान में 28.6 फीसद, उत्तरप्रदेश 23.5, पंजाब व मप्र 15.5 और तमिलनाडु 10.3 फीसद लड़कियों ने स्कूल बीच में ही छोड़ दिया है।